सुहास जोशी
अकादेमी पुरस्कारः अभिनय

SUHAS JOSHI
Akademi Award: Acting

Born on 12 July 1947 in Pune, Maharashtra, Shrimati Suhas Joshi is a very well-known actor of Marathi, Hindi and English theatre. She learnt classical music and completed her Sangeet Visharad (Hindustani Vocal) from Gandharva Mahavidyalaya in 1963. She obtained her 'Bachelors degree from the University of Pune studying Philosophy, Psychology and Sanskrit in 1969. Later, she went to the National School of Drama to earn a three-year diploma course in acting where she was trained by noted theatre director Ebrahim Alkazi, among others.

Shrimati Joshi is associated with theatre since her college days. She has performed in both the genres of professional and experimental Marathi theatre. Her notable plays include *Rakta Nako Mala Prem Have*, directed by Kamlakar Sontakke; *Barrister*, directed by Vijaya Mehta; *Goshta Janmantarichi* directed by Madhukar Toradmal; *Sakkhe Shejari* directed by Sai Paranjape; *Agnipankha* directed by Kumar Sohoni; *Ekach Pyala* directed by Shriram Lagoo; *Doctor Tumhi Suddha* directed by Chandrakant Kulkarni; *Prema Tujha Rang Kasa* directed by Vijay Kenkare; *Khel Mandiyela* directed by Chetan Datar; *Oi Womenia* directed by Mangesh Kadam; and *Kanyadaan* directed by Sadashiv Amrapurkar. She has also performed a solo play Laxmibai Tilak's *Smriti Chitre* directed by Pratima Kulkarni. Suhas Joshi has acted in Mahesh Elkunchwar's *Pratibimb* directed by Satya Dev Dubey, and acted in English translations of Vijay Tendulkar's *Kamala*, and Jayvant Dalvi's *Purush* directed by Silvester D'Cunha and Bharat Dabholkar respectively. She has also acted in various Hindi and Marathi films, and television shows.

Shrimati Suhas Joshi has received accolades from Marathi Natya Parishad, Maharashtra Rajya Natya Mahotsav, and numerous other institutions.

Shrimati Suhas Joshi receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for her contribution to Indian theatre as an actor.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

महाराष्ट्र के पुणे में 12 जुलाई 1947 को जन्मी श्रीमती सुहास जोशी मराठी, हिन्दी और अंग्रेजी रंगमंच की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। आपने शास्त्रीय संगीत सीखा है और सन् 1963 में गंधर्व महाविद्यालय से संगीत विशारद (हिंदुस्तानी गायन) की उपाधि अर्जित की है। आपने सन् 1969 में पुणे विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान और संस्कृत का अध्ययन किया और स्नातक की डिग्री हासिल की। बाद में, आपने अभिनय में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में दाखिला लिया, जहाँ उन्हें प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक इब्राहिम अल्काज़ी और अन्य प्रख्यात रंग-गुरुओं से प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला।

श्रीमती जोशी अपने कॉलेज के दिनों से ही थिएटर से जुड़ी रही हैं। आपने पेशेवर और प्रयोगात्मक मराठी रंगमंच–दोनों ही शैलियों में अभिनय किया है। आपके उल्लेखनीय नाटकों में कमलाकर सोनटके द्वारा निर्देशित रक्त नको माला प्रेम हवे; विजया मेहता द्वारा निर्देशित बैरिस्टर; मधुकर तोराडमल द्वारा निर्देशित गोष्टा जनमंतरिचि; साई परांजपे द्वारा निर्देशित सक्खे शेजरी; कुमार सोहनी द्वारा निर्देशित अग्निपंख; श्रीराम लागू द्वारा निर्देशित एकच प्याला; चंद्रकांत कुलकर्णी द्वारा निर्देशित डॉक्टर तुम्ही सुद्धा; विजय केंकरे द्वारा निर्देशित प्रेमा तुझा रंग कसा; चेतन दातार द्वारा निर्देशित खेल मंडीएला; मंगेश कदम द्वारा निर्देशित ओई वूमेनिया; और सदाशिव अमरापुरकर द्वारा निर्देशित कन्यादान आदि प्रमुख हैं। आपने प्रतिमा कुलकर्णी द्वारा निर्देशित लक्ष्मीबाई तिलक के स्मृति चित्रे नामक एकल नाटक में अभिनय किया है। सत्य देव दुबे द्वारा निर्देशित महेश एलकुंचवार की प्रतिबिम्ब नाटक में अभिनय के साथ ही आपने विजय तेंदुलकर के नाटक कमला के अंग्रेजी अनुवादों, और क्रमशः सिल्वेस्टर डीश्कुन्हा और भरत दाभोलकर द्वारा निर्देशित जयवंत दलवी के नाटक पुरुष में भी अभिनय किया है। नाटकों के साथ-साथ आपने विभिन्न हिंदी और मराठी फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों में भी अभिनय किया है।

श्रीमती सुहास जोशी को मराठी नाट्य परिषद, महाराष्ट्र राज्य नाट्य महोत्सव और कई अन्य संस्थानों ने पुरस्कृत किया है।

भारतीय रंगमंच के क्षेत्र में अभिनेत्री के रूप में योगदान के लिए श्रीमती सुहास जोशी को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018